देर कर दी

नदी में डूबते हुए आदमी ने,
पुल पर चलते आदमी को देखकर,
आवाज लगाई "बचाओ" ।
पुल के आदमी ने रस्सी गिराई और कहा "आओ" ।।
डूबता आदमी -
रस्सी पकड़ नहीं पा रहा था,
बोला - "मै मरना नहीं चाहता,
बड़ी मंहगी जिन्दगी है,
कल ही तो -
अ.ब.स. कम्पनी में मेरी नौकरी लगी है" ।
इतना सुनते ही पुल वाले आदमी ने,
रस्सी खींच ली और,
दौड़ता-दौड़ता अ.ब.स. कम्पनी आया।
हांफते हांफते उसने,
अधिकारी को बताया,
"देखिये अभी अभी आपका एक आदमी,
डूब कर मर गया है,
और इस तरह आपकी कम्पनी में,
एक जगह खाली कर गया है,
लीजिए मेरी डिग्रियां संभालिये,
बेरोजगार हूं मुझे लगा लीजिए" ।।
अधिकारी हँसते हुए बोला-
"दोस्त, तुमने देर कर दी,
हमने वह जगह भर दी।
और इस जगह पर हमने,
उस व्यक्ति को लगाया है,
जो धक्का देकर तुमसे पहले यहां आया है।।

गुरदीप सिंह दुआ, तकनीशियन ग्रेड - द्वितीय